.

प्रेस विज्ञप्ति

रायपुर, दिनांक 1 फरवरी, 2014

- मतदाता जन प्रतिनिधियों को कठिन मापदण्ड से तौलते एवं परखते हैं - श्री अरूण जेटली

- प्रबोधन कार्यक्रम में श्री अरूण जेटली ने दिये मान. विधायकों को टिप्स

छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय में मान. विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के बाद प्रथम सत्र में आज राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री अरूण जेटली ने मान. सदस्यों को सम्बोधित किया।

राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री अरूण जेटली का स्वागत करते हुए विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि - विधायिका द्वारा अपने दायित्वों के कुशलता पूर्वक निर्वहन का यह सुखद परिणाम है कि छत्तीसगढ़ राज्य प्रगति के पथ की ओर अग्रसर है। चतुर्थ विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों में से 05 डाक्टर, 03 इंजीनियर, 11 लॉ ग्रेजुएट एवं 16 पोस्ट ग्रेजुएट हैं। जन प्रतिनिधियों का यह शैक्षणिक स्तर निश्चित ही हमारे राज्य के लिए शुभ संकेत है।

.

राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री अरूण जेटली ने विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि - छत्तीसगढ़ विधानसभा में 90 में से 52 विधायक नये हैं इससे यह स्पष्ट है कि चुनाव जीतना सरल है परन्तु पुनः चुनाव जीतना थोड़ा कठिन होता है, इसका कारण यह है कि मतदाता अपने जन प्रतिनिधियों को कठिन मापदण्ड से तौलते एवं परखते हैं। श्री जेटली ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि लोकसभा राज्यसभा एवं राज्य विधान मण्डलों में सत्र अवधि कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि - आज कल संसदीय कार्य-शैली पर मीडिया का प्रभाव आ रहा है, और हमारे जीवन में मीडिया इतना हावी हो गया है कि हम कई गतिविधियाँ मीडिया को मद्देनजर रखते हुए करते हैं तथा कभी-कभी कई मान. सदस्य अच्छा भाषण देने के बजाय मीडिया की रिपोर्टिंग को ध्यान में रखते हुए 5-7 मिनिट का हंगामा कर देते हैं, मान. सदस्यों को इस चुनौती से बाहर निकलने की आवश्यकता है।

प्रश्नकाल का महत्व बताते हुए श्री जेटली ने कहा कि - प्रश्नकाल पर किसी राजनैतिक दल का अधिकार नहीं होता है। मान. सदस्य किसी भी विषय पर प्रश्न पूछ सकते हैं, और राजनैतिक प्रतिनिधी के रूप में अगर हमें अपने व्यक्तित्व को उभारना है तो जनता से जुड़े हुए ज्वलंत मुद्दों को प्रश्नों के माध्यम से उठाया जाना चाहिए।

श्री जेटली ने कहा यदि सदस्य विधानसभा में विषय को प्रभावी ढंग से उठाते हैं तो मंत्री जी को आश्वासन देना पड़ता है। मंत्री जी द्वारा विधानसभा में दिया गया आश्वासन कानून के बराबर होता है एवं उसको लागू करना आवश्यक है इसलिए विधायकों को जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने मान. सदस्यों को इंटरनेट एवं फेसबुक के माध्यम से मतदाताओं से जुड़ने की सलाह दी। श्री जेटली ने कहा कि वे सभा में भाषण देने से पूर्व संबंधित विषय पर पूरे तथ्य एकत्रित करें।

इस अवसर पर मान. विधायक श्री बृहस्पति सिंह, श्री रामदयाल उईके एवं श्री श्रीचंद्र सुन्दरानी ने श्री अरूण जेटली से प्रश्न पूछे अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

श्री अरूण जेटली, नेता प्रतिपक्ष राज्यसभा के सम्बोधन के पश्चात् विधानसभा

अध्यक्ष श्री टी.एस. सिंहदेव ने उन्हें शाल श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया एवं उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

प्रबोधन कार्यक्रम के प्रथम दिवस के तीसरे सत्र में पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री रविन्द्र चौबे ने ध्यानाकर्षण सूचना, स्थगन प्रस्ताव एवं लोक महत्व के विषय पर मान. सदस्यों को महत्वपूर्ण जानकारी दीं।

प्रबोधन कार्यक्रम के चौथे सत्र में विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री देवेन्द्र वर्मा ने मान. सदस्यों के विशेषाधिकार एवं उन्मुक्तियाँ विषय पर मान. सदस्यों को महत्वपूर्ण जानकारी दीं।

अंत में आरंग के विधायक श्री नवीन मारकण्डेय ने आभार व्यक्त किया।